विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -१७ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज निजवाचक एवं निश्चयवाचक सर्वनाम के बारे में अध्ययन करेंगे ।

निजवाचक सर्वनाम

निजवाचक सर्वनाम की परिभाषा

निज शब्द का अर्थ होता है अपना और वाचक का अर्थ होता है बोध। अपनेपन का बोध करने वाले शब्दों को निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। अथार्त जिन सर्वनामों का प्रयोग कर्ता के साथ अपने पन का बोध करने के लिए किया जाता है उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं। जहाँ पर वक्ता अपने या अपने आप शब्द का प्रयोग करता है वहाँ पर निजवाचक सर्वनाम होता है।

जैसे: हमें, तुम, अपने, आप, अपने आप, निजी, खुद, स्वंय आदि।

'आप' शब्द का प्रयोग पुरुषवाचक तथा निजवाचक सर्वनाम-दोनों में होता है। जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग श्रोता के लिए हो वहाँ यह आदर-सूचक मध्यम पुरुष होता है और जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग अपने लिए हो वहाँ निजवाचक होता है।

निजवाचक सर्वनाम के उदाहरण

- मैं अपने कपडे स्वयं धो लूँगा।
- मैं वहां अपने आप चला जाऊंगा।
- मैं खुद कुछ नहीं कर सकता, मुझे सहायता चाहिए।
- ईश्वर भी उन्ही का साथ देता है जो अपनी मदद स्वयं करते हैं।

निश्चयवाचक सर्वनाम

निश्चयवाचक सर्वनाम की परिभाषा

जिन शब्दों से किसी व्यक्ति , वस्तु अथवा घटना की ओर निश्चयात्मक रूप से संकेत करे उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसे संकेतवाचक सर्वनाम भी कहते हैं। इसमें यह , वह , वे , ये आदि का निश्चय रूप से बोध कराते हैं।

जैसे: वह मेरा गॉव है। यह मेरी पुस्तक है। ये सेब हैं। ये पुस्तक रानी की है।

इसमें वह, यह, ये आदि शब्द निश्चित वस्तु की और संकेत कर रहे हैं।

निश्चयवाचक सर्वनाम के प्रकार

1. निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम
2. दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम

निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम: जो शब्द निकट या पास वाली वस्तुओं का निश्चित रूप से बोध कराएँ उन्हें निकटवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे: यह मेरी पुस्तक है। ये मुझे बहुत पसंद है।

इसमें यह और ये निकट वाली वस्तु का बोध करा रही हैं।

दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम: जो शब्द दूर वाली वस्तुओं की ओर निश्चित रूप से संकेत करती है उसे दूरवर्ती निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे: वह मेरी पैन है। वे सेब हैं।

इसमें वह और वे दूर वाली वस्तुओं का बोध करा रहे हैं।